NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 5
Chapter Name : किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया

Q1 वह ऐसी कौन सी बात रही होगी जिसने लेखक को दिल्ली जाने के लिए बाध्य कर दिया?
Answer.
लेखक को किसी ने कटु बातें कह दी थी क्योंकि लेखक के पास कोई रोज़गार नहीं था और वह उसे बर्दाश्त नहीं कर पाये इसलिए वो दिल्ली चले गये।

Page : 58 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 लेखक को अंग्रेजी में कविता लिखने का अफसोस क्यों रहा होगा ?
Answer.
अंग्रेजी भारत की भाषा नहीं थी और भारत के लोग उसे समझ नहीं पाते थे। साथ ही जब वे इलाहाबाद आए तो वहाँ साहित्यक वातावरण था। वहाँ वे निराला, बच्चन और पन्त जैसे महान लेखकों को मिले अतः हिन्दी मे ही रचनाएँ करने लगे। इस प्रकार लेखक का अंग्रेजी में लिखने का प्रयास व्यर्थ गया । इसलिए लेखक को अंग्रेजी में कविता लिखने का अफसोस रहा होगा।

Page : 58 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q 3 अपनी कल्पना से लिखिए कि बच्चन ने लेखक के लिए नोट में क्या लिखा होगा ?
Answer.
शायद बच्चन जी ने लिखा होगा कि परिश्रम करो सफलता तुम्हारे कदम चूमेगी, संघर्ष करने वाले ही जीवन पथ पर आगे बढ़ते है। उस नोट में शायद लिखा होगा कि तुम इलाहाबाद आ जाओ क्योंकि लेखन में ही तुम्हारा भविष्य निहित है।

Page : 58 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 लेखक ने बच्चन के व्यक्तित्व के किन-किन रूपों को उभारा है?
Answer.
लेखक ने बच्चन के व्यक्तित्व के कई रूपों को उभारा है -

1) बच्चन जी सहृदय और कोमल स्वभाव के थे।
2) वे समय के अत्यंत पाबंद होने के साथ -साथ वे कर्म से परम सहयोगी मनुष्य थे।
3) उन्होंने लेखक द्वारा लिखे एक ही सॉनिट को पढ़कर उनकी कला- प्रतिभा को पहचान लिया।
4) बच्चन सर्व-परोपकारी, संघर्षशील, पक्के संकल्प स्वभाव वाले थे ।
5) उन्होंने न केवल लेखक को इलाहाबाद बुलाया बल्कि लेखक की पढ़ाई में मदद भी की।

Page : 58 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

aglasem.com

Q5 बच्चन के अतिरिक्त लेखक को अन्य किन लोगों का तथा किस प्रकार का सहयोग मिला?
Answer.
लेखक को बच्चन के अतिरिक्त निम्नलिखित लोगों का सहयोग मिला
1) बच्चन के पिता - जब लेखक इलाहाबाद में आकर बस गए तो बच्चन के पिता ने उनका अभिभावक बनना स्वीकार किया।
2) तेजबहदुर सिंह- लेखक के बड़े भाई थे जिन्होंने आर्थिक तंगी में कुछ रूपये भेज कर लेखक की मदद की।
3) ससुराल पक्ष - जब लेखक बेरोज़गारी में संघर्ष कर रहे थे तब ससुराल वालों ने उन्हे अपनी केमिस्ट्स की दुकान पर कंपाउंडरी सीखने का मौका दिया।
4) सुर्मित्रानदंन और निरालाजी-इन्होंने लेखक को हींडियन प्रेस से अनुवाद का काम दिलवाया।
5) बच्चन जी- लेखक को सबसे ज्यादा सहयोग बच्चन जी ने दिया। जिन्होंने लेखक को कदम -कदम पर मार्गदर्शन किया और मदद की। बच्चन जी ने लेखक को इलाहाबाद बुलाया और पढ़ाई का पूरा ख़र्च उठाया और एम ए करने के लिए प्रेरित किया।

Page : 58 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 लेखक के हिंदी लेखन में कदम रखने का क्रमानुसार वर्णन कीजिये।
Answer.
इलाहाबाद का साहित्यिक वातावरण,मित्रों का सहयोग और प्रोत्साहन पाकर लेखक हिन्दी में रचनाएँ करने लगे।
सन 1933में लेखक की कुछ कविताएँ 'सरस्वती' व चाँद' पत्रिका में छपी।
1937 में लेखक ने बच्चन जी के बताए अनुसार 14 पक्तियों की कविता को लिखने का प्रयास किया।
लेखक ने 'निशा निमंत्रण के कवि के प्रति' एक कविता लिखी पर अप्रकाशित रही।
फिर लेखक 'रूपाभ' के ऑफ़िस मे कीशक्षण लेकर बनारस से प्रकाशित हंस के कार्यालय मे काम संभाला ।

Page : 58 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 लेखक ने अपने जीवन में जिन कठिनाइयों को झेला है,उनके बारे में लिखिए।
Answer.
 लेखक को शुरूआत के दिनों में आर्थिक समस्याओं से जूझना पड़ा तथा कीजगारी के दिनों में व्यंग्य बाणों को झेलना पड़ा।उन दिनों लेखक को साइन बोर्ड पेंट करके अपना गुजरा करना पड़ा।
लेखक की युवावस्था में ही पत्नी का टी.बी.के कारण देहांत हो गया था। इसलिए उन्हें पत्नी का बियोग भी सहना पड़ा।
बच्चन जी ने उनकी पढ़ाई का सारा ख़र्चा उठाया था क्योंकि वे आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे थे। इस तरह उनके प्रारंम्भ के दिन आर्थिक कठिनाइयों में बीते ।

Page : 58 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

aglasem.com